भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4012

गुरूवार, 21 मार्च, 2013

बीएचपीवी का भेल के साथ विलय

4012. श्री ए.गणेशमूर्ति:

श्री एकनाथ महादेव गायकवाड:

श्री भास्करराव बापूराव पाटील खतगांवकर:

श्री आनंद प्रकाश परांजपे:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार भारत हेवी प्लेट और वेसल्स लिमिटेड (बीएचपीवी) का भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के साथ विलय करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) इन दोनों कंपनियों का कब तक विलय किए जाने की संभावना है; और

(घ) सरकार ने भेल के लाभ को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रफुल पटेल)

(क) और (ख): केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 21.02.2013 को भारत हेवी प्लेटस और वेसल्स लिमिटेड (बीएचपीवी) का विलय भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के साथ करने का अनुमोदन कर दिया है। यह तथ्य है कि वर्ष 2008 में बीएचपीवी को भेल द्वारा अपनी 100% सहायक कंपनी के रूप में अधिग्रहण कर लेने के बावजूद भी अपर्याप्त ऑर्डरों, कम उत्पादकता, पुरानी मशीनरी, कर्मचारियों का मनोबल कम होने, वित्तीय समस्याओं आदि की वजह से बीएचपीवी के निष्पादन में सुधार नहीं हो सका था। इन मुद्दों से निपटने के लिए, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बीएचपीवी का भेल के साथ विलय करने का अनुमोदन किया है।

(ग): निर्णय कार्यान्वित करने में अन्य कई एजेंसियों की सहभागिता को देखते हुए एक निश्चित समय-सीमा संभव नहीं है ।

(घ): अपने निष्पादन और लाभप्रदता में सुधार लाने के लिए भेल द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते हैं। कुछ निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :-

1 150 मेगावाट, 270 मेगावाट, 525 मेगावाट और 600 मेगावाट वाली सब क्रिटिकल थर्मल इकाइयां और घरेलू आवश्यकताओं को प्रतिस्पर्द्धात्मक रूप से पूरा करने के लिए परिस्थितियों के अनुकूल 660 मेगावाट, 700 मेगावाट तथा 800 मेगावाट रेटिंग वाले अति महत्वपूर्ण थर्मल सेट के अपग्रेडिड माड्यूल्स शुरू करना ।

2. उच्चतर दक्षता और अनूकूल डिजाइनों सहित आपूर्ति करने वाले उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए प्रति वर्ष 20,000 मेगावाट विद्युत उपकरण (मुख्य संयंत्र एवं मशीनरी) डिलीवर करने की क्षमता में वृद्धि करना।

3. वैश्विक रूप से अग्रणी कंपनियों के साथ संबद्धता/अनुसंधान एवं विकास संबंधी वृद्धित आंतरिक प्रयासों के माध्यम से उत्कृष्ट अत्याधुनिक तकनीक के उत्पाद और प्रणालियों को प्रस्तुत करना।

4. प्रतिस्पर्द्धात्मकता बनाए रखने के लिए योग्यता विकास और प्रचालन सुधार संबंधी उपाय करना।

5. विविधिकरण, विलयन और अधिग्रहण (एमएंडए) के संबंध में कदम उठाना ताकि कंपनी अपने उत्पादों का विस्तार कर सकें।

6. कंपनी की विकास संबंधी महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 11 वीं योजना अवधि के दौरान 20,000 लोगों की भर्ती के माध्यम से जनशक्ति का संवर्द्धन करना।

*****